DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । बुधवार, 17 मई 2023

करोल बाग। शाहदरा। हरकेष नगर। नरेला। शालीमार बाग। चांदनी चौक। मालवीय नगर। कमला नगर। संत नगर। अ

हाउस टैक्स में छूट बंद होने से लोगों पर बढ़ा बोझ

राजधानी की ग्रुप हाउसिंग सोसायटियों में नाराज़गी

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

साल 2023-24 के प्रॉपर्टी टैक्स में को-ऑपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसायटियों को मिलने वाला 20 प्रतिशत रिबेट नहीं दिया जा रहा है। इसकी वजह से राजधानी की सोसायटियों में काफी नाराजगी है। उनका साफ तर्क है कि ग्रुप हाउसिंग सोसायटियां अपने अंदर की सभी मेंटिनेंस खुद करती हैं। इसी वजह से पिछले कई सालों से उन्हें यह रिबेट मिल रही थी। अब अगर रिबेट बंद की जा रही है तो मेंटेनेंस का काम भी एमसीडी को करना चाहिए। ग्रुप हाउसिंग सोसायटियों की कई फेडरेशन के अनुसार, जब यूनिट एरिया मैथड से प्रॉपर्टी टैक्स लेने की प्रक्रिया शुरू हुई थी उसी समय सोसायटियों के प्रतिनिधियों और स्टैंडिंग कमिटी के चेयरमैन ने आपसी सहमति से यह रिबेट शुरू की थी। सोसायटियां, सोसायटी के अंदर लगने वाली स्ट्रीट लाइट, रोड, सीवर, सफाई आदि का काम खुद कराती हैं। जबकि अन्य कॉलोनियों व डीडीए पॉकेट में यह सर्विसेज एमसीडी देती है।

फेडरेशन को-ऑपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसायटी द्वारका लिमिटेड के राकेश गुप्ता के अनुसार 2022-23 में एमसीडी समृद्धि स्कीम लेकर आई थी जिसमें ऐसे टैक्सपेयर को छूट दी गई थी जिन्होंने सालों से टैक्स नहीं दिया। वहीं इस साल रिबेट को खत्म कर दिया गया है। राजधानी में एक हजार से अधिक ग्रुप हाउसिंग सोसायटी में करीब 150,000 सदस्य हैं। इतना ही नहीं इस साल 30 जून से पहले वन टाइम हाउस टैक्स पेमेंट करने पर एमसीडी द्वारा दी गई 15 प्रतिशत छूट को भी 10 प्रतिशत तक कम कर दिया गया है। फेडरेशन के प्रेजिडेंट एच.के मान ने एमसीडी से अपील की है कि 20 प्रतिशत की छूट को जारी रखें।

इंद्रप्रस्थ ग्रुप हाउसिंग सोसायटी महासंघ लिमिटेड के संस्थापक सुरेश बिंदल ने कहा कि इस साल 25 प्रतिशत के करीब हाउस टैक्स में अंतर पड़ा है। कनफेडरेशन ऑफ दिल्ली एनसीआर के जनरल सेक्रेटरी अनिल शर्मा ने कहा कि जब छूट नहीं मिल रही तो जिस तरह पूरी दिल्ली में सफाई, माली, सीवरेज, स्ट्रीट लाइट आदि का काम एमसीडी कर रही है ग्रुप हाउसिंग सोसायटियों में भी करें।

रिबेट का फायदा

- ग्रुप हाउसिंग सोसायटियां, सोसायटी के अंदर लगने वाली स्ट्रीट लाइट, रोड, सीवर, सफाई आदि का काम खुद कराती हैं (हाउस टैक्स भरने के बाद जो पैसा रिबेट के तौर पर मिलता था उससे ये सब काम आसानी से हो जाते थे)
- इस पैसे का अच्छे से इस्तेमाल किया जाता है। सोसायटियों में हरियाली रहती है, साफ-सफाई रहती है, सिक्योरिटी भी टाइट रहती है।

क्या है नुकसान

- फंड की कमी हो जाएगी
- हाउस टैक्स पूरा भरने के बाद मेंटिनेंस में ज्यादा खर्च आएगा
- ऐसी स्थिति में मेंटिनेंस की फीस बढ़ानी होगी जो सोसायटी वालों से ही वसूली जाएगी
- सोसायटी वाले जब काम कराते हैं तो जल्दी काम हो जाते हैं। अब कोई पहले एमसीडी को बताना होगा फिर काम होगा, इससे समय पर चीजें ठीक नहीं होंगी

छूट को जारी रखने की अपील की

2023-24 के प्रॉपर्टी टैक्स में को-ऑपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसायटियों को मिलने वाला **20% रिबेट नहीं दिया जा रहा है**

1000 से अधिक ग्रुप हाउसिंग सोसायटी में करीब 150,000 सदस्य हैं।

2023-24 के लिए 30 जून से पहले वन टाइम हाउस टैक्स पेमेंट करने पर एमसीडी द्वारा दी गई 15% छूट को भी 10 प्रतिशत तक कम कर दिया गया है

NBT नज़रिया

मिडल क्लास पर पहले से ही काफी बोझ है। अगर मेंटिनेंस सोसायटीज खुद करा रही हैं तो एमसीडी को कोशिश करनी चाहिए कि आम लोगों को भी कुछ राहत मिले। इस फैसले के बारे में सोसायटी के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करके कोई रास्ता निकालना चाहिए कि किसी पर अन्यथा बोझ न पड़े।

यमुना पर बनेगा 11 KM का ट्रैकिंग-एडवेंचर का रास्ता

एलजी ने मंगलवार को किया शिलान्यास

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

यमुना के पूर्वी छोर पर बाढ़ क्षेत्र में जल्द ही 11 किलोमीटर लंबा ट्रैकिंग और एडवेंचर ट्रेल बनाया जाएगा। एनजीटी की ओर से नियुक्त उच्चस्तरीय समिति के चेयरमैन के रूप में दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने सिग्नेचर ब्रिज के पास मंगलवार को इस परियोजना की नींव रखी। यह ट्रैक पेड़ों, घास के मैदान और फूलों की क्यारियों से गुजरते हुए आईटीओ बैराज के पास असिता तक फैला होगा। इस रास्ते में नियमित अंतराल पर पर्यावरण अनुकूल जन सुविधाएं दी जाएंगी, बैठने के लिए जगह-जगह बेंच लगाई जाएंगी। असिता, बांसेरा और कुदसिया घाट की तर्ज पर इस नई पहल से शहर के लोगों को यमुना के और पास लाया जाएगा। 7 मई को इस ट्रेल का जायजा लिया गया था और 1 जून तक यह बेसिक ट्रैक तैयार हो जाएगा।

इस ट्रैक को टेरिटोरियल आर्मी की इको बटालियन तैयार कर रही है, जो यमुना बाढ़ क्षेत्र में कचरा को फेंकने से रोक रहा है। यह पूरी तरह से कच्ची सड़क वाला होगा। उपराज्यपाल ने कहा कि यमुना के बाढ़ क्षेत्र को इस तरह से विकसित किया जाना चाहिए कि जहां दिल्ली के लोग खुद को इससे जोड़ सकें। इसी उद्देश्य के साथ यमुना का कायाकल्प किया जा रहा है। इसी कड़ी में असिता, बांसेरा, गढ़ी मांडू और बेला पार्क तक तीन लेयर में पौधरोपण अभियान चलाया गया। कुदसिया घाट का विकास किया गया और अब ट्रैकिंग एडवेंचर ट्रेल का शिलान्यास किया गया है। इससे लोगों को लगेगा कि यमुना हमारी है। नदी में कचरा फेंकने और नदी के किनारे अवैध कब्जे को रोकने में काफी हद तक मदद मिलेगी। डीडीए के सहयोग से ट्रैक को बनाया जा रहा है।

यह ट्रैक आईटीओ बैराज के पास असिता तक फैला होगा

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

हिन्दुस्तान

नई दिल्ली
बुधवार
17 मई 2023

तालमेल और पुख्ता तैयारी से समाधान संभव

राजधानी में मानसून के दौरान होने वाली जलभराव की समस्या को लेकर हिन्दुस्तान ने मंगलवार को डिजिटल माध्यम से दिल्ली की जनता और विशेषज्ञों से संवाद किया। विशेषज्ञों ने कहा कि यदि ठोस कदम उठाए जाएं तो समस्या का समाधान हो सकता है। नालों की समय से बेहतर सफाई और विभिन्न विभागों के बीच तालमेल से किया गया काम बेहतर परिणाम ला सकता है।

सिटी एंड पॉलिसी प्लानर आरजी गुप्ता ने 1980-81 में जलभराव से निपटने के लिए यह नक्शा बनाया था। इसमें यमुना के साथ कंक्रीट का 2.5 मीटर चौड़ा और डेढ़ मीटर ऊंचा चैनल बनाने की सलाह दी थी। नाले से आने वाले पानी को यमुना की जगह इस चैनल में डालकर सीधे ओखला भेजना चाहिए था। वहां इसे ट्रीट किया जाता। इससे गंदगी बाहर निकल जाती और जलभराव कम होता।

सुनिए प्रशासक महोदय

#जलभराव के विरुद्ध 02

संवाद

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। मानसून के समय में राजधानी में न केवल जलभराव की समस्या होती है, बल्कि इससे लोग घंटों जाम में फंसे रहते हैं। कई बार इसके चलते हादसे भी हुए हैं। संवाद के दौरान विशेषज्ञों ने माना कि इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इसे लेकर प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। हर साल केवल जलभराव वाली जगहों पर खानापूर्ति की जाती है। कई बार नालों की सफाई सही तरीके से नहीं की जाती है, जिस वजह से जलभराव का सामना करना पड़ता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, महज आधे घंटे की बारिश में दिल्ली के कई इलाकों में जलभराव हो जाता है। इसके लिए विभिन्न निकायों और सरकार को तालमेल के साथ काम करना होगा। मानसून में जलभराव से निपटने के लिए कई महीने पहले तैयारी शुरू होनी चाहिए। पीडब्ल्यूडी, नगर निगम, दिल्ली सरकार, डीडीए आदि विभाग मिलकर एक बेहतर योजना तैयार कर जलभराव रोक सकते हैं।

पर्यावरण एवं शहर प्लानर नेहा सर्वते कहती हैं, किसी भी शहर से जलनिकासी के लिए सबसे पहले ढलान को समझने की आवश्यकता है। यदि ढलान सही दिशा में होगा तो पानी अपने आप ही बहेगा और जलभराव की समस्या नहीं होगी।

स्कैन करें
अभियान से जुड़ी अन्य खबरें पढ़ने के लिए...

जनता ने कहा...

हर साल बारिश के मौसम में तीस हजारी अदालत में जलभराव हो जाता है। महज आधा घंटे की बारिश में वकीलों के बेसमेंट में बने चेंबरों में पानी भरने लगता है। सबसे ज्यादा समस्या सिविल विंग और वेस्टर्न विंग में होती है। तीस हजारी में सीवर लाइन लगभग 40 साल पुरानी है, जो कई जगह खराब हो चुकी है।

-रवि दराल, अधिवक्ता

मैं संतनगर बुराड़ी के निकट मिलन विहार में रहता हूं। यहां नालों की सफाई नहीं होने के कारण लोग बेहाल हैं। हल्की बारिश होने पर भी स्थिति खराब हो जाती है। पिछली बरसात में मेरा घर इससे प्रभावित हुआ था। नाले और सीवर जाम होने के कारण हमारे यहां पानी की निकासी ठीक से नहीं हो पाती है।

-नरेंद्र यादव, मिलन विहार

मानसून के दिनों में कंझावला के समीप करारा में जलभराव की वजह से लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। जलनिकासी के लिए एक पंप लगाया जाता है, लेकिन जल निकासी का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। लोगों को कई किलोमीटर घूम कर अपने गंतव्य पर पहुंचना पड़ता है।

-प्रदीप डबास, अध्यापक, कंझावला

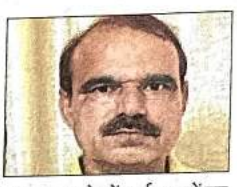

द्वारका इलाके में कई जगहों पर मानसून में जलभराव की समस्या रहती है। द्वारका सेक्टर-11 मार्केट, सेक्टर-18 स्थित वेंकटेश अस्पताल, वेगस मॉल सेक्टर 13, सेक्टर-22 स्थित ईपीएफओ दफ्तर के पास जलभराव होता है। कचरे से पटे नालों की सफाई भी ठीक तरीके से नहीं की जाती है।

-सुभाष यादव, द्वारका निवासी

जलभराव के पीछे मुख्य तौर पर दो वजह हैं। एक तो सीवर सिस्टम पुराने और अपर्याप्त हो गए हैं। इसकी तुलना में आबादी बढ़ गई है। दूसरा, गाद निकालने का काम ठीक से नहीं हो रहा है। आंकड़ेबाजी ज्यादा होती है और काम कम। पिछले दिनों हुई मामूली बारिश के कारण मॉडल टाउन के बड़े हिस्से जलभराव हो गया। **-संजय गुप्ता,** मॉडल टाउन रेजीडेंट सोसाइटी, महामंत्री

मुखर्जी नगर इलाके में सीवर और नाले साफ नहीं होने के कारण लोगों को बारिश के दिनों में परेशानी का सामना करना पड़ता है। नेहरू विहार से मुखर्जी नगर कोचिंग जाने में भी हाल-बेहाल हो जाता है। हालांकि, यहां एक बड़ा नाला है, लेकिन फिर भी मानसून के समय छात्रों को समस्या झेलनी पड़ती है।

-आदर्श मिश्रा, नेहरू विहार

मुंडका के समीप रानीखेड़ा में मानसून के दौरान रेलवे क्रॉसिंग सहित सड़क पर करीब तीन से चार फुट तक जलभराव हो जाता है। यहां से आने-जाने वाले दुपहिया वाहन चालक कई बार चोटिल हो चुके हैं। बरसात के बिना भी यहां वर्तमान में भी जलभराव है। इसका कोई स्थायी समाधान नहीं हो सका है।

-सावंत डबास, रानीखेड़ा

काम के सिलसिले में मुझे दिल्ली में कई जगह मोटरसाइकिल से जाना होता है। सड़कों पर जलभराव अक्सर परेशान करता है। थोड़ी देर की बारिश में जलभराव हो जाता है। इस समस्या को दूर करने के लिए सभी संस्थाओं को मिलकर काम करना चाहिए, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

-चेतन यादव, मेडिकल रिप्रजेंटेटिव

विशेषज्ञों की राय

शहरों को आधुनिक जरूरतों के अनुसार डिजाइन नहीं किया गया है। तमाम जलाशय अतिक्रमण के शिकार हैं। नालों से कचरा नहीं निकलता है।

-सुष्मिता सेन गुप्ता, वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक, विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र

ड्रेनेज सिस्टम का 60 से 65 एमएम बारिश के हिसाब से डिजाइन होना भी जलभराव की वजह बन है। नाले साफ नहीं हो पाते हैं। शहर की भौगोलिक स्थिति भी एक कारक बनती है।

-प्रदीप कुमार खंडेलवाल, पूर्व मुख्य अभियंता, डेम्स दिल्ली नगर निगम

मैंने वर्ष 1980-81 में ड्रेनेज सिस्टम को लेकर दो रिपोर्ट बनाई थी। इनमें बताया था कि यमुना के साथ कंक्रीट का एक चैनल बनाना चाहिए, ताकि नालों का पानी उसमें जा सके, लेकिन प्रस्ताव लागू नहीं हुआ।

-आरजी गुप्ता, सिटी एंड पॉलिसी प्लानर

जलनिकासी न होने की सबसे बड़ी समस्या बेहतर पानी निस्तारण प्रबंधन का न होना है। इसके उपाय के लिए जरूरी है कि पानी निकासी की बेहतर व्यवस्था की जाए। **-एसए नकवी,** कवीनर, सिटिजन्स फ्रंट फॉर डेमोक्रेसी

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

दैनिक जागरण नई दिल्ली, 17 मई, 2023 'APERS----------DATED----------

डीडीए आवासीय योजना की फर्जी वेबसाइट के खिलाफ पुलिस में दी शिकायत

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली: डीडीए ने अपनी आवासीय योजना के नाम पर ठगों द्वारा किए जाने वाले फर्जीवाडे से लोगों को बचाने के लिए सतर्क किया है। ये जालसाज प्राधिकरण की हाउसिंग स्कीम में फ्लैटों की बुकिंग के लिए जनता को लुभाने के लिए फर्जी यूआरएल www.ddahousingyojana.com और www.ddaflat.org.in का इस्तेमाल कर रहे हैं। डीडीए ने दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा व साइबर सेल में कुछ लोगों के खिलाफ शिकायत भी दी है।

Hindustan Times

DDA WARNS OF FAKE WEBSITES SELLING FLATS

NEW DELHI: The Delhi Development Authority (DDA) on Tuesday issued an advisory to the public that fake URLs were being used to defraud people in the name of DDA's housing scheme.

Officials said that they have lodged police complaints regarding the fake websites.

DDA said that www.ddahousingyojana.com and www.ddaflat.org.in were the two fake websites used to "sell" DDA flats. Officials said that whenever a new DDA housing scheme, it will be made available only on DDA's official website — www.dda.gov.in. HTC

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI WEDNESDAY, MAY 17, 2023 ----------DATED----------

Trekking and adventure track to come up near Yamuna in NE Delhi

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Continuing with the task of restoration and development of the Yamuna floodplain, LG VK Saxena on Tuesday laid foundation stone for the construction of the first-of-its-kind 'trekking and adventure track' near Signature Bridge in northeast Delhi. The LG is the chairman of a high-level committee set up by the National Green Tribunal for rejuvenation of the river.

To be constructed by the eco battalion of Territorial Army, the 11-km-long earthen (kuchcha) track will be developed amidst trees, grasslands and flower beds along the Yamuna floodplain on the eastern bank of the river up to Asita at ITO Barrage and provide residents of the city with a much-needed adventure trail.

The track, said officials, will pass through Garhi Mandu, Shastri Park, Old Railway Bridge and Geeta Colony Bridge.

A senior officer said while conceptualising the restoration and makeover of the Yamuna floodplain, the LG underlined that the floodplain should be developed in a manner that the people of Delhi come closer to the river and become stakeholders in its rejuvenation.

"All efforts in this direction, be it the development of Asita, Baansera, triple grid plantation drive from Garhi Mandu to Shastri Park to Bela Farms, development of Qudsia Ghat or the foundation stone laid today, will bring people from across the city on the banks of the river. Their presence will instil in them a sense of ownership of the river and simultaneously deter unauthorised occupation of the river bank and throwing of garbage into it," the official said.

The Territorial Army battalion, which has partnered with civic agencies in maintaining the cleaned and restored stretches of the Yamuna floodplain by preventing garbage dumping, will develop this stretch with the help of Delhi Development Authority. Provisions for temporary and eco-friendly public utilities and resting furniture will be made available on the track. Hikers and birders will be able to witness diverse flora and fauna, even as they will be able to walk on one of the longest unencumbered stretches in the city. "The basic track will be ready by June 1," said another official.

नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । बुधवार, 17 मई 2023

भूकंप में क्या होगा इमारतों का हाल? कार्रवाई सुस्त

Prachi.Yadav@timesgroup.com

■ **भूकंपीय स्थिरता** की जांच में दिल्ली में छह सौ से भी ज्यादा इमारतें खतरनाक पाई गई हैं। इन इमारतों के बारे में सरकारी एजेंसियां मान रही हैं कि इन्हें ढहाना ही बेहतर है। लेकिन, अभी तक की कार्रवाई से खुद दिल्ली सरकार निराश है। हाई कोर्ट में दाखिल ताजा स्टेटस रिपोर्ट में शहरी विकास विभाग ने माना कि इस काम में तेजी लाए जाने की जरूरत है। खतरनाक इमारतों की पहचान, उनके स्ट्रक्चरल ऑडिट और रेट्रोफिटिंग (सुरक्षा उपायों के जरिए इमारतों को सुरक्षित बनाना) से जुड़े कामों को तय समय पर पूरा किया जाना चाहिए। विभाग ने कोर्ट में दावा किया कि स्थानीय निकायों को निर्देश जारी कर काम में तेजी लाने के लिए कहा है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, ढांचागत सुरक्षा के आकलन के लिए 10,231 इमारतों की पहचान की गई। इनमें से 6221 इमारतों को नोटिस जारी हुए। 5132 इमारतों में स्ट्रक्चरल ऑडिट पूरा हो गया है। 117 इमारतों में रेट्रोफिटिंग चल रही है। असुरक्षित पाई गई इमारतों में से 153 को ढहाया जा चुका है। विभाग की पिछली रिपोर्ट में जोन वाइज डेटा अदालत के सामने रखा गया था। उस रिपोर्ट के मुताबिक, कुल मिलाकर 623 इमारतों को ध्वस्त करने की जरूरत है।

डीडीए के मुताबिक, उसने 21 मार्च 2001 से पहले बनी ऐसी 338 इमारतों की पहचान की। उन्हें ढांचागत रूप से खतरनाक पाया गया। स्ट्रक्चरल सेफ्टी ऑडिट शुरू कराने का निर्देश दिया जा चुका है।

इसलिए हो रही जांच...

एडवोकेट अर्पित भार्गव ने पहले याचिका और फिर अवमानना याचिका के जरिए यह मुद्दा कोर्ट में उठाया। इस पर कोर्ट ने मई 2015 में केंद्र और दिल्ली सरकार समेत सभी संबंधित पक्षों को स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। उन्हें कोर्ट को यह बताना था कि दिल्ली में बिल्डिंग की ढांचागत मजबूती को लेकर क्या नीति है। दूसरा, सवाल कार्रवाई को लेकर था।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS- millenniumpost
NEW DELHI | WEDNESDAY, 17 MAY, 2023

WILL RUN THROUGHOUT THE 11 KM STRETCH UP TO ASITA AT ITO BARRAGE

Adventure trail to come up along Yamuna floodplains

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: A trekking and adventure track will soon come up amid trees and flower beds along the Yamuna floodplains, officials said on Tuesday.

Delhi L-G V K Saxena, who is also the chairman of the NGT appointed a high-level committee for the rejuvenation of Yamuna on Tuesday laid the foundation stone for the construction of the track at Signature Bridge.

To be constructed by the Eco Battalion of Territorial Army, the earthen (kuchcha) track to be developed amidst trees, grasslands and flower beds along the Yamuna floodplains on the Eastern Bank, will run throughout the 11 km stretch up to Asita at ITO Barrage and provide residents of the city with a much-needed adventure trail, said a Raj Niwas official.

The track will run through a green field alignment and will pass through the fields of Garhi Mandu, Shastri Park, Old Railway Bridge, Geeta Colony Bridge and Asita up to ITO Barrage, he said. The L-G while conceptualising the restoration and makeover of the Yamuna floodplains, had underlined that the floodplains should be developed such that the people of Delhi come closer to the river and become stakeholders in its rejuvenation.

"All efforts in this direction, be it the development of Asita, Baansera, triple grid plantation drive from Garhi Mandu to Shastri Park to Bela Farms, development of Qudsia Ghat or the foundation stone laid today, will bring people from across the city on the banks of the river and ensure that their presence over there instills a sense of ownership of the river and simultaneously deter unauthorised occupation of the river bank and throwing of garbage into it," said the official.

The territorial army battalion which has been partnering with civic agencies in maintaining the cleaned and restored stretches of Yamuna floodplains by preventing garbage dumping, will develop this stretch in association with the DDA.

Provisions for temporary and eco-friendly public utilities and resting furniture at regular intervals will be made available on the track, the official said.

Hikers and birders in the city will be able to witness diverse flora and fauna on the trail, even as they will be able to walk on one of the longest unencumbered stretches in the city, they said.

The 11 km of track will be all along the eastern bank of the river which does not have any major habitats and outfalling drains, unlike the western bank.

The recce of the track was carried out on May 7 by a joint team of all stakeholders. Once the viability and suitability were confirmed, the final alignment was fixed. The basic track will be ready by June 1 and later, the area along and around will be beautified by planting suitable plants like 'Bara Maasi' and 'Office Time'.

DDA warns against fake housing scheme sites

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: The Delhi Development Authority, in lieu of several complaints, has taken a serious view of fake websites in the name of their Housing Schemes luring people to book flats. The Authority found websites such as www.ddahousingyojana.com and www.ddaflat.org.in that duped people out of money.

Complaints have been lodged in the Economic Offence Wing and Cyber Crime cell of Delhi Police for taking action as per the law. DDA has also cautioned the general public to beware of such scams. It further verified that the purported DDA Housing Scheme 2023 circulated through these websites is a fake/fraudulent one and DDA has floated no such housing scheme 2023.

Currently, DDA is not running any housing scheme. Whenever a new housing scheme is launched by the Authority the same will be made available on DDA's official website i.e. www.dda.gov.in only. Officials from the DDA stated that other sources/ websites may lead the public in the trap of fraudulent/ unscrupulous persons or entities causing financial loss. It is requested to check DDA's authentic websites for regular updates/ transactions.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

the pioneer
NAME OF NEWSPAPER | WEDNESDAY | MAY 17, 2023 DATED----------

Trekking, adventure track to come up soon along Yamuna floodplains

STAFF REPORTER ■ NEW DELHI

A trekking and adventure track will soon come up amid trees and flower beds along the Yamuna floodplains. Delhi Lieutenant Governor VK Saxena who is also the chairman of the NGT appointed a high-level committee for the rejuvenation of Yamuna on Tuesday and laid the foundation stone for the construction of the track at Signature Bridge.

The track will run through a green field alignment and will pass through the fields of Garhi Mandu, Shastri Park, Old Railway Bridge, Geeta Colony Bridge and Asita up to ITO Barrage.

To be constructed by the Eco Battalion of the Territorial Army, the earthen track to be developed amidst trees, grasslands and flower beds along the Yamuna floodplains on the Eastern Bank, will run throughout the 11 km stretch up to Asita at ITO Barrage and provide residents of the city with a much-needed adventure trail, said a Raj Niwas official.

The LG while conceptualising the restoration and makeover of the Yamuna floodplains, had underlined that the floodplains should be developed such that the people of Delhi come closer to the river and become stakeholders in its rejuvenation.

"All efforts in this direction, be it the development of Asita, Baansera, triple grid plantation drive from Garhi Mandu to Shastri Park to Bela Farms, development of Qudsia Ghat or the foundation stone laid today, will bring people from across the city on the banks of the river and ensure that their presence over there instills a sense of ownership of the river and simultaneously deter unauthorised occupation of the river bank and throwing of garbage into it," said the official.

The territorial army battalion which has been partnering with civic agencies in maintaining the cleaned and restored stretches of Yamuna floodplains by preventing garbage dumping, will develop the stretch in association with the DDA. Provisions for temporary and eco-friendly public utilities and resting furniture at regular intervals will be made available on the track, the official said.

अमर उजाला

डीडीए की फर्जी वेबसाइट बनाकर फ्लैटों की बुकिंग

नई दिल्ली। डीडीए की वेबसाइड बनाकर कुछ जालसाज उसकी आवास योजना के नाम फ्लैटों की बुकिंग के लिए लोगों को लुभाने में लगे हुए है। यह मामला संज्ञान में आने के बाद डीडीए ने कड़ा रूख अख्तियार किया है। उसने जालसाजों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए दिल्ली पुलिस में शिकायत की है।

डीडीए के अनुसार उसकी आवास योजना के नाम पर फर्जी यूआरएल (www.dda-housingyojana.com www.dda flat.org.in) का इस्तेमाल कर रहे है। इस संबंध में उसने कानून के अनुसार कार्रवाई करने के लिए दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा और साइबर क्राइम सेल में शिकायत दर्ज कराई है। वहीं डीडीए ने लोगों को सचेत किया है कि ऐसे व्यक्तियों और योजनाओं से सावधान रहें, क्योंकि इन वेबसाइटों के माध्यम से प्रचालित डीडीए की आवास योजना 2023 फर्जी व धोखाधड़ी वाली है। ब्यूरो

पंजाब केसरी
DELHI

डीडीए हाउस स्कीम में फ्लैट दिलाने के लिए सक्रिय हुए ठग

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने अपनी हाउसिंग स्कीम के नाम पर ठगों द्वारा किये जाने वाले फर्जीवाड़े से लोगों को बचाने के लिए सतर्क किया है। डीडीए ने इसे लेकर अलर्ट जारी करते हुए कहा कि कुछ ठग डीडीए की हाउसिंग स्कीम को लेकर लोगों के साथ फर्जीवाड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। ये जालसाज प्राधिकरण की हाउसिंग स्कीम में फ्लैटों की बुकिंग के लिए जनता को लुभाने के लिए फर्जी यूआरएल www.ddahousingyojana.com और www.ddaflat.org.in का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसीलिए ऐसी फेक वेबसाइट से बचकर रहने की जरूरत है। इस संबंध में डीडीए दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा और साइबर अपराध सेल में कुछ लोगों के खिलाफ शिकायत दी है। डीडीए ने शिकायत में कहा है कि लोगों को लुभावने वादे किए जा रहे हैं और फर्जी वेबसाइट के माध्यम से घर बुक कराया जा रहा है। डीडीए ने कहा है कि हाउसिंग स्कीम 2023 के तहत फर्जी वेबसाइट से बचकर रहने की आवश्यकता है। अगर आप कहीं लुभावने ऑफर में फंस जाते हैं तो आपको लाखों का नुकसान हो सकता है और ये आपको भारी वित्तीय नुकसान में फंसा सकते हैं। ऐसे में सिर्फ अधिकारिक वेबसाइट से ही आपको संपर्क करना चाहिए। इसीलिए अनुरोध है कि नियमित अपडेट व ट्रांजेक्शन के लिए डीडीए की प्रामाणिक वेबसाइटों को चेक करें।

राष्ट्रीय सहारा

वेबसाइट पर चल रही हाउसिंग योजना को डीडीए ने बताया फर्जी

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने डीडीए के नाम पर चल रही ऑन लाइन हाउसिंग योजना-2023 को फर्जी बताया है। प्राधिकरण ने एक बयान जारी कर कहा है कि फिलहाल डीडीए की ऐसी कोई योजना नहीं चल रही है। बेघर लोग इस तरह के झांसे में आने से बचें। इस संबंध में प्राधिकरण ने दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा एवं साइबर क्राइम सेल में शिकायत भी दर्ज कराई है।

■ लोगों को आर्थिक नुकसान के प्रति किया आगाह

प्राधिकरण का कहना है कि हमारी कोई भी ऑन लाइन हाउसिंग योजना अधिकृत वेबसाइट यानी www.dda.gov.in पर ही घोषित होगी, जबकि उपरोक्त हाउसिंग योजना www.ddahousingyojana.com व www.ddaflat.org.in वेबसाइट पर चल रही है। प्राधिकरण ने लोगों को आगाह करते हुए कहा है कि वह इस तरह की योजना के झांसे में आने से बचें। जिससे उनका आर्थिक नुकसान न हो। हालांकि इस तरह का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी कुछ लोग डीडीए के नाम पर हाउसिंग योजना चलाने का दावा करते रहे हैं।